



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 115]
No. 115]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 14, 1999/बैशाख 24, 1921
NEW DELHI, FRIDAY, MAY 14, 1999/VAISAKHA 24, 1921

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 मई, 1999

अन्तिम निष्कर्ष

विषय : जापान से ईपीडीएम के आयातों से संबंधित पाटन-रोधी जाँच—अन्तिम निष्कर्ष।

सं. 16/1/98-डीजीएडी.—कस्टम टैरिफ अधिनियम, 1975, 1955 में यथासंशोधित तथा उसकी कस्टम टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटन-रोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए :—

क पद्धति

नीचे वर्णित पद्धति का पालन किया गया है :—

- (i) नाम-निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसमें इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) ने तारीख 24-12-98 की अधिसूचना द्वारा प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया तथा हितबद्ध पार्टियों से, इसके प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचार भेजने का अनुरोध किया;
- (ii) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी जिनसे पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया;
- (iii) प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति नई दिल्ली में जापान के दूतावास को भी इस अनुरोध के साथ भेजी कि निर्यातकों एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने विचार भेजने का परामर्श दिया जाए;
- (iv) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को 4-3-99 को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से, अपने मौखिक रूप से व्यक्त किए विचारों को लिखित रूप में दर्ज कराने का अनुरोध किया गया। पार्टियों से प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियाँ लेने और उनका खण्डन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया;

- (v) प्राधिकारी ने अनुरोध करने पर, हितबद्ध पार्टियों को, विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के अगोपनीय रूपान्तरणों वाली सार्वजनिक फाइल उपलब्ध कराई;
- (vi) प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क, जिनका उल्लेख अधिसूचित प्रारंभिक निष्कर्षों में किया गया है, को संक्षिप्तता के कारण इसमें दोहराया नहीं गया है, परन्तु हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों पर प्रारंभिक निष्कर्षों तथा/या इन निष्कर्षों में उचित ढंग से विचार किया गया है;
- (vii) पूर्वोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष 15-4-99 को प्रकट किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया है।

(ख) वादियों, निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार एवं प्राधिकारी द्वारा उनकी जाँच

2. विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर, इसमें नीचे दिए गए पैराग्राफों में चर्चा की गई है। हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों की जाँच की गई, उन पर विचार किया गया और जहाँ कहीं भी उचित समझा गया, वहाँ इसमें नीचे दिए गए पैराग्राफों में उन पर विचार किया गया है।

(ग) विचाराधीन उत्पाद

3. वर्तमान जाँच में विचाराधीन उत्पाद इथलीन प्रोपलीन डाइन रबड़ (जिसे इसमें इसके बाद ईपीडीएम भी कहा गया है) है जो अनेक रबड़ आधारित कार्यों में प्रयोग होता है जैसा कि तारीख 24-12-98 के आरंभिक निष्कर्षों के पैरा सी (4) में दिया गया है। ईपीडीएम को टैरिफ मद शीर्ष 4002.70 के उप-शीर्ष के 4002.70.09 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है और यह आई टी सी उपशीर्ष सं. 4002.70.01 के अंतर्गत वर्गीकृत पोलिब्यूटाडियन रबड़ से भिन्न है।

विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा निम्नलिखित मुद्दे उठाए गए हैं :

(क) दिया गया तर्क :

पोलीब्यूटाडियन रबड़ (पीबीआर) को पाटन-रोधी सीमा-शुल्क लगाने से बाहर कर देना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

प्राधिकारी नोट करता है कि तारीख 24-12-98 के प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा सी (3) में प्राधिकारी ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि विचाराधीन उत्पाद 4002.70.09 के अंतर्गत यथा वर्गीकृत ई पी डी एम है और यह 4002.90.01 के अंतर्गत वर्गीकृत पीबीआर से भिन्न है जो कि पाटन-रोधी सीमा-शुल्क लगाने की परिधि से बाहर है। प्राधिकारी, पोलिब्यूटाडियन रबड़ (पीबीआर) के पाटन-रोधी सीमा-शुल्क के दायरे से बाहर होने की पुष्टि करता है।

(ख) दिया गया तर्क :

टायर उद्योग द्वारा प्रयोग किए जाने वाले डीसीपीडी एवं ई एन बी वर्गों को पाटन-रोधी सीमा-शुल्क की परिधि से निकाल दिया जाना चाहिए। ऑटो-कम्पोनेन्ट उद्योग को विश्व स्तरीय क्वालिटी के ई पी डी एम रबड़ का आयात करने की आवश्यकता रहती है।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

प्राधिकारी नोट करता है कि तारीख 24-12-98 के आरंभिक निष्कर्षों के पैरा सी (3) में, कस्टम टैरिफ अधिनियम, 1975 के उप-शीर्ष 4002.70.09 के अंतर्गत वर्गीकृत ई पी डी एम के सभी रूप/वर्ग/शुद्धतायें विचाराधीन उत्पाद के रूप में मानी गई हैं। डी सी पी डी एवं ई एन बी वर्गों को निकाल दिए जाने के लिए कोई विशेष तर्क नहीं दिया गया है। यह तथ्य की गुणवत्ताएँ भिन्न हो सकती हैं, यह अर्थ नहीं देता कि आयातित उत्पाद और स्वदेशी उत्पाद समान वस्तुएँ नहीं हैं। प्राधिकारी तारीख 24-12-98 के आरंभिक निष्कर्षों के पैरा सी (3) में यथा उल्लिखित उत्पाद के संबंध में निष्कर्षों की पुष्टि करता है।

(घ) वादी एवं स्वदेशी उद्योग की स्थिति

4. कुल स्वदेशी उत्पादन में वादी का बड़ा हिस्सा है। अतः वादी, नियमों के अर्थों के भीतर स्वदेशी उद्योग है एवं वर्तमान याचिका दायर करने के आधार को संतुष्ट करता है। इसके लिए किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा विवाद नहीं किया गया है।

(ङ) सामान वस्तुएँ

(क) दिया गया तर्क :

ई पी एम को भी, ई पी डी एम के साथ वर्तमान जाँच के दायरे में शामिल कर लेना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

प्राधिकारी नोट करता है कि वर्तमान जाँच में विचाराधीन उत्पाद, उप शीर्ष 4002.70.09 के अंतर्गत यथा वर्गीकृत ईपीडीएम है। एक शीर्ष के अंतर्गत आने वाले उत्पाद की, एक भिन्न शीर्ष के माध्यम से निकासी की प्रवृत्ति के प्रतिमास को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में

शामिल नहीं किया जा सकता क्योंकि वर्तमान जांच में, जांच का दायरा ऐथीलीन प्रोपेलीन डाइन रबड़ (ई पी डी एम) तक सीमित है। अतः प्राधिकारी, तारीख 15-4-99 के डिस्कलोजर विवरण के पैरा 1.4 में एवं तारीख 24-12-98 के आरंभिक निष्कर्षों के पैरा सी(3) में दिये गये के अनुसार विचार की पुष्टि करता है।

(च) पाटन

(क) दिया गया तर्क

डी एस एम का स्वदेशी बिक्री मूल्य, अ-प्रमुख स्रोतों से लिया जाना चाहिए और यह जे एस आर के स्वदेशी बिक्री मूल्य के बराबर नहीं होना चाहिए एवं यह कि डी एस एम के स्वदेशी बिक्री मूल्य का हिसाब लगाने के लिए डी एस एम और जे एस आर के निर्यात मूल्य के अंतर को मैसर्स जे एस आर के स्वदेशी बिक्री मूल्य में जोड़ देना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी का यह सुसंगत व्यवहार रहा है कि किसी भी विशिष्ट मापकों के संबंध में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना को माना जाए। इस मामले में प्राधिकारी ने, यह देखने के बाद कि डी एस एम कि बिक्रियां उत्पादन लागत से नीचे की थीं, जांच दल द्वारा किए गए वास्तविक सत्यापन के आधार पर, अन्य जापानी उत्पादकों अर्थात् मैसर्स जे एस आर के स्वदेशी बिक्री मूल्य को, मैसर्स डी एस एम हेतु स्वदेशी बिक्री मूल्य के लिए सर्वाधिक उपयुक्त आधार के रूप में माना है। स्वदेशी बिक्री मूल्य में मैसर्स डी एस एम के लिए हैण्डलिंग खर्च और अंतर्देशीय भाड़े के समायोजन, दौरे पर आये दल द्वारा किए गए वास्तविक सत्यापन के आधार पर है। अतः प्राधिकारी डी एस एम के लिए सामान्य मूल्य का हिसाब लगाने हेतु अपनाई गई पद्धति, जैसाकि तारीख 15-4-99 के डिस्कलोजर के पैरा 2.2 में भी दिया गया है, की पुष्टि करता है।

(ख) दिया गया तर्क

सामान्य मूल्य के संबंध में प्राधिकारी के निष्कर्षों पर विवाद है क्योंकि फर्म अर्थात् मैसर्स डी एस एम ने किसी भी समय अपने उत्पादों को उत्पादन की लागत से नीचे नहीं बेचा और हानियां, बिपणन, बिक्री एवं उपभोक्ताओं को दी गई तकनीकी सहायता के संबंध में जापान में कार्यों के बहुत ऊंचे खर्च के कारण हुई है। बिक्री मूल्यों में गिरावट, मंदी के एवं जापान में ई पी डी एम उद्योग में अधि-क्षमता के कारण आई है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी नोट करता है कि जांच दल के मैसर्स डी एस एम के परिसर के दौरे के दौरान, फर्म ने उत्पादन की लागत का विवरण नहीं दिया। कम्पनी को 1996 में और 1997 की पहली छमाही में वास्तव में हानि हुई है, जिसकी भी पुष्टि फर्म द्वारा गई है। फर्म ने और आगे यह भी बताया कि कार्य लाभ वास्तव में वित्त वर्ष 1998 के दौरान हुआ है। अतः प्राधिकारी सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर, मैसर्स जे एस आर के स्वदेशी बिक्री मूल्य को, मैसर्स डी एस एम के लिए सामान्य मूल्य का हिसाब लगाने हेतु हैण्डलिंग और अंतर्देशीय भाड़े के संबंध में उचित वास्तविक समायोजन के साथ, मैसर्स डी एस एम के लिए स्वदेशी बिक्री मूल्य के तौर संदर्भित करना उचित समझता है। प्राधिकारी ने भण्डारण खर्चों में समायोजन की अनुमति नहीं दी है क्योंकि सामान्य चलन के अनुसार फैक्ट्री-एतर स्तर तक ही समायोजन स्वीकार किए गए हैं।

(ग) मैसर्स जे एस आर के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य

कम्पनी ने मैसर्स जे एस आर के लिए सामान्य मूल्य को, जाँच अवधि के दौरान निर्यातक के परिसर में किए गए सत्यापन के अनुसार भारत औसत बिक्री मूल्य के आधार पर माना है और अंतर्देशीय भाड़े, बीमे एवं उधार बिक्रियों पर ब्याज के लिए समायोजनों की अनुमति दी है। प्राधिकारी ने भण्डारण खर्चों में समायोजन की अनुमति नहीं दी है क्योंकि सामान्य चलन के अनुसार केवल फैक्ट्री-एतर स्तर तक ही समायोजन माने जाते हैं। भारत को निर्यातों के संबंध में देय कमीशन के बराबर स्वदेशी बाजार में व्यापार के स्तर के संबंध में समायोजनों की अनुमति नहीं दी गई है क्योंकि यह एक काल्पनिक समायोजन है और यह वास्तविकों पर आधारित नहीं है। मैसर्स जे एस आर के निर्यात मूल्य के संबंध में प्राधिकारी ने सी आई एफ मूल्य, जाँच अवधि के दौरान वास्तव में बनाए गए बीजकों और जाँच दल द्वारा यथा सत्यापित के आधार पर माना है। अंतर्देशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, कमीशन, ब्याज तथा विनिमय दर के लिए उचित समायोजनों की अनुमति दे दी गई है।

(घ) मैसर्स डी एस एम के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य

प्राधिकारी, उपलब्ध सूचना के आधार पर, मैसर्स डी एस एम के लिए सामान्य मूल्य का हिसाब लगाने हेतु हैण्डलिंग एवं अंतर्देशीय भाड़े के लिए उचित समायोजनों सहित, जे एस आर के स्वदेशी बिक्री मूल्य को मैसर्स डी एस एम हेतु स्वदेशी बिक्री मूल्य के तौर पर संदर्भित करना उचित समझता है। भण्डारण के लिए समायोजनों को, समायोजन नहीं माना गया है क्योंकि प्राधिकारी के सुसंगत व्यवहार के अनुसार केवल फैक्ट्री-एतर स्तर तक को ही समायोजनों में लिया जाता है।

निर्यात मूल्य के संबंध में प्राधिकारी ने जाँच अवधि के दौरान बिक्रियों के लिए बनाए गए वास्तविक बीजकों के आधार पर सी आई एफ निर्यात मूल्य को लिया है। प्राधिकारी ने अंतर्देशीय भाड़े, हैण्डलिंग, विदेशी भाड़े, विदेशी बीमे और मैसर्स डी एस एम के सिंगापुर

कार्यालय को दिए कमीशन के लिए निर्यात बिक्रियों में समायोजनों को माना है भण्डारण के लिए समायोजनों को, समायोजना नहीं माना गया है क्योंकि प्राधिकारी के सुसंगत व्यवहार के अनुसार केवल फैक्ट्री-एतर स्तर तक को ही समायोजनों में लिया जाता है।

(ड) निर्यातों के लिए पाटन-मार्जिन नीचे दिए गए के अनुसार है:

	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	क्षेपण मार्जिन
मैसर्स डी एस एम	***	***	25.5%
मैसर्स जे एस आर	***	***	27.48%

(च) क्षति, कारणात्मक संबंध तथा सीमा-शुल्क का निर्धारण

(क) दिया गया तर्क

वादियों को निवेश की कमी हुई है और उनकी भंडारण क्षमता सीमित है।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

प्राधिकारी नोट करता है कि ये मामले व्यापार की सामान्य घटना है जिनका सामना किसी भी संगठन को करना पड़ता है। प्राधिकारी, पाटन के कारण हुई क्षति के विवाद पर विचार कर रहा है और असामान्य एवं असम्बद्ध कारकों के कारण हुई किसी अतिरिक्त लागत के प्रभाव पर, स्वदेशी उद्योग के उचित बिक्री मूल्य का हिसाब लगाते हुए, भली प्रकार विचार किया गया है।

(ख) दिया गया तर्क

सीमा-शुल्क, दोष-पूर्ण मांग संभवनाओं और उच्च ब्याज लागत के कारण उद्योग को क्षति हुई है।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

पाटित आयातों के लैंडिड मूल्य के संबंध में स्वदेशी उद्योग को हुई क्षति निर्धारित करना प्राधिकारी का सुसंगत व्यवहार रहा है। क्षति की जाँच, जाँच की अवधि के संदर्भ में की जाती है और इसमें इस अवधि के लिए भारत औसत सीमा-शुल्क लिया जाता है। लागत के ये कारक, जो विचाराधीन उत्पाद से संबंधित नहीं हैं, स्वदेशी उद्योग के लिए उचित बिक्री मूल्य का हिसाब लगाते हुए ध्यान में रखे गए हैं। अतः प्राधिकारी तारीख 24-12-98 के आरंभिक निष्कर्षों के पैरा 24 में दिए गए निष्कर्षों को पुष्टि करता है।

(ग) दिया गया तर्क

संदर्भ मूल्य को सी आई एफ स्तर पर निश्चित किया जाना चाहिए और सीमा-शुल्क को इसमें शामिल नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि यह एक परिवर्तनशील मापक है।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

प्राधिकारी, सीमा-शुल्क शामिल करते हुए संदर्भ स्तर अर्थात् लैंडिड मूल्य की पद्धति को जारी रखना उचित समझता है। मानकों, जैसे सामान्य मूल्य, पाटन-मार्जिन, सीमा-शुल्क, विनियम शुल्क, उतार चढ़ाव आदि में किसी परिवर्तन से परिस्थितियों में बदलाव आयेगा जिसके कारण किसी भी मामले में निष्कर्षों की समीक्षा जरूरी होगी।

(घ) दिया गया तर्क

मैसर्स जे. एस. आर., जापान के एक निर्यातक ने तर्क दिया है कि वे भारत को ईपीडीएम का निर्यात सीधे नहीं बल्कि विभिन्न व्यापार संस्थाओं जैसे जे बी सी, निशिगो शोजी कम्पनी लिमिटेड तथा मित्सुई एंड कम्पनी के माध्यम से करते हैं। प्राधिकारी को जे एस आर-मित्सुई, जे एस आर-जे बीसी और जे एस आर-निशिगो शोजी कम्पनी लिमिटेड के जोड़ों के लिए संदर्भ मूल्य बताना चाहिए। उत्पादक-निर्यातक के लिए संयुक्त मूल्य बताने की पद्धति अमरीका में प्रचलित है।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

केवल उत्पादकों का समाकलन एवं तदनुसार सीमाशुल्क की सिफारिश करना ही प्राधिकारी का सुसंगत व्यवहार रहा है। जब तक आयातक सीमाशुल्क प्राधिकारी को इस बात के लिए संतुष्ट करने के योग्य है कि एक विशिष्ट उत्पादक, इस अधिसूचना में सीमाशुल्क की राशि देते हुए जिसका नाम दिया गया है, द्वारा माल बनाया गया है, सीमाशुल्क प्राधिकारी तदनुसार पाटनरोधी सीमाशुल्क लगाएगा। और भी, ऐसे व्यापारी के सामान्य मूल्य का निश्चयन करना संभव नहीं है जो किसी उत्पादक के माल का निर्यात कर सकता है। अतः व्यापारियों पर पाटनरोधी सीमाशुल्क लगाना और उसको मॉनीटर करना संभव नहीं है। अतः

प्राधिकारी उत्पादक और व्यापारी के मेल के लिए संदर्भ मूल्य बताना उचित नहीं समझता ।

(ङ) दिया गया तर्क

डालरों में न्यूनतम फ्लोर मूल्य और परिवर्तनशील सीमाशुल्क निश्चित किए जाने चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

प्राधिकारी, उचित बिक्री मूल्य की मुद्रा के अनुरूप रूपों में परिवर्तनशील सीमाशुल्क निश्चित करना उचित समझता है।

(च) दिया गया तर्क

आरंभिक निष्कर्षों के पैरा जे-32 में जे एस आर के लिए दिया गया संदर्भ मूल्य सही नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

प्राधिकारी ने इस तर्क की उचित प्रकार से जाँच की है और वर्तमान अंतिम निष्कर्षों पर संदर्भ मूल्य निकालते हुए इस पर ध्यान दिया है।

(छ) लैंडिड मूल्य :

लैंडिड मूल्य जापान से पीडीएम रबड़ के भारत औसत निर्यात कीमत आधार पर निश्चित किया गया है जो जाँच अवधि में लैंडिड चार्जिज के रूप में एक प्रतिशत और हैंडलिंग चार्जिज के रूप में दो प्रतिशत भारत सीमाशुल्क जोड़ने के बाद दोनों निर्यातकों अर्थात् मैसर्स जेएसआर और मैसर्स डी एस एम के लिए अलग-अलग निश्चित किया गया है।

(ज) अंतिम निष्कर्ष

पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि :—

- (क) जापान मूल के या वहाँ से निर्यातित ईपीडीएम का भारत को निर्यात इसके सामान्य मूल्य से नीचे पर किया गया है ;
- (ख) स्वदेशी उद्योग को आर्थिक हानि हुई है,
- (ग) स्वदेशी उद्योग को जापान मूल के या वहाँ से निर्यातित विषयगत माल के पाटन द्वारा क्षति हुई है।
- (घ) प्राधिकारी, पाटनरोधी सीमाशुल्क लगाने के संबंध में तारीख 24-12-98 के आरंभिक निष्कर्षों का पुष्टि करता है और जापानी मूल के या वहाँ से निर्यातित तथा अध्याय 40 के अंतर्गत आने वाले ईपीडीएम के सभी निर्यातों (इन निष्कर्षों तथा साथ ही आरंभिक निष्कर्षों में विचाराधीन उत्पाद से संबंधित पैरा में दिए गए विवरण के अनुसार) पर निश्चित पाटनरोधी सीमाशुल्क लगाने की सिफारिश करता है। इसमें उपशीर्ष 4002.70.01 के अंतर्गत आने वाले पॉली ब्यूटाडियन रबड़ (पी बी आर) शामिल नहीं है।
- (ङ) प्रयोजन के लिए आयातों का लैंडिड मूल्य, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा तय किया गया आकलन योग्य मूल्य होगा और कस्टम टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3ए, 8बी, 9 या 9ए के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों के अलावा सभी शुल्क इसमें शामिल होंगे।
- (च) इस पर भी विचार किया गया कि क्या पाटन मार्जिन से नीचा सीमाशुल्क क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। प्रयोजन के लिए अलग-अलग निर्यातकों हेतु आयातों के लैंडिड मूल्य की तुलना, जाँच अवधि के लिए निश्चित, स्वदेशी उद्योग के उचित बिक्री मूल्य से की गयी थी। तथापि, प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन को क्षति मार्जिन से नीचे पाया। तदनुसार, प्रस्तावित है कि उप-शीर्ष 4002.70.01 के अंतर्गत आने वाले पॉली ब्यूटाडियन रबड़ (पी बी आर) को निकालकर, कस्टम टैरिफ के अध्याय 40 के अंतर्गत आने वाले जापान मूल के या वहाँ से निर्यातित ईपीडीएम रबड़ के सभी आयातों पर, इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए जाने वाली अधिसूचना की तारीख से, पाटन रोधी सीमाशुल्क लगा दिया जाए। पाटन रोधी सीमाशुल्क नीचे दिए गए कॉलम 3 में दी गयी राशियों, और आयातों के प्रति मीट्रिक टन लैंडिड मूल्य के बीच का अंतर होगा।

राशि (रु. प्रति मी. टन)

1. मैसर्स जे एस आर	100644
2. मैसर्स डी एस एम	104725
3. अन्य कोई निर्यातक	104725

उपरोक्त के अधीन रहते हुए प्राधिकारी तारीख 24-12-98 के आरंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करता है ।

पूर्वोक्त अधिनियम के अनुसार, इस आदेश के विरुद्ध अपील कस्टम्स, एक्साइज एंड गोल्ड (नियंत्रण) अपीलीय ट्रिब्यूनल के समक्ष की जा सकती है।

रति विनय झा, नामनिर्दिष्ट अधिकार तथा अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE**NOTIFICATION**

New Delhi, the 14th May, 1999

FINAL FINDINGS

Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of EPDM from Japan-Final findings.

No. 16/1/98-DGAD—Having regard to the Customs Tariffs Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof :

A) PROCEDURE

The procedure described below has been followed:

- i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified preliminary findings vide notification dt.24.12.98 and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication:
- ii) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
- iii) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the embassy of Japan in New Delhi with a request that the exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings;
- iv) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 4.3.99. All parties presenting views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any;
- v) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request;

- vi) Argument raised by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties have been appropriately dealt in the preliminary findings and/or these findings;
- vii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 15.4.99 and comments received on the same have also been duly considered in these findings.

B. VIEWS OF PETITIONERS, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY

2. The views expressed by various interested parties have been discussed in the relevant paras herein below. The arguments raised by the interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt in the relevant paras herein below.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

3. Product under consideration in the present investigation is Ethylene Propylene Diene Rubber (hereinafter also referred to as EPDM) used in number of rubber based applications as also illustrated in para C(4) of preliminary findings dt. 24.12.98. EPDM is classified under sub-heading 4002.70.09 of the tariff items head 4002.70 and is different from Polybutadiene rubber classified under ITC sub-heading No. 4002.70.01.

Following issues have been raised by various interested parties.

(a) Argument raised

Polybutadiene rubber (PBR) should be excluded from the levy of anti-dumping duty.

Examination by Authority

Authority notes that in para C(3) of the preliminary findings dt. 24.12.98, authority has clearly mentioned that the product under consideration is EPDM as classified under 4002.70.09 and is different from PBR classified under 4002.90.01, which is excluded from the scope of levy of anti-dumping. The Authority confirms exclusion of Poly Butadiene Rubber (PBR) from the scope of anti-dumping duty.

(b) Argument raised

DCPD and ENB grades used by the tyre industry should be excluded from the scope of anti-dumping duty. Auto component industry needs to import world class quality EPDM rubber.

Examination by Authority

The authority notes that in para C(3) of the preliminary findings dt. 24.12.98, all forms/grades/purities of EPDM rubber classified under sub-heading 4002.70.09 of the Customs Tariff Act, 1975 have been considered as product under consideration. No specific arguments on exclusion of DCPD and ENB grades have been provided. The fact that the qualities may be different does not imply that the imported product and the domestic are not like articles. The Authority confirms the findings regarding product under consideration as mentioned in Para C(3) of the preliminary findings dt.24.12.98.

D) STANDING OF THE PETITIONER AND DOMESTIC INDUSTRY

4. The petitioner accounts for a major proportion of the total domestic production. The petitioner, therefore, satisfies the standing to file the present petition and constitutes domestic industry within the meaning of the Rules. There is also no contention by any interested parties on this account.

E) LIKE ARTICLE**a) Argument Raised**

EPM should also be included alongwith the EPDM under the purview of the present investigation.

Examination by Authority

Authority notes that the product under consideration in the present investigation is EPDM as classified under sub-heading 4002.70.09. Phenomena of circumvention of clearance of product covered under one head through a different head cannot be addressed within the scope of product under consideration as the scope of the investigation is limited to the product Ethylene Propylene Diene Rubber (EPDM) in the present investigation. The Authority, therefore, confirms the views as indicated in para 1.4 of the disclosure statement dt. 15.4.99 and para c(3) of the Preliminary findings dated 24.12.98.

F) DUMPING**(a) Argument raised**

The domestic selling price of DSM should be taken from the secondary sources and not equivalent to the domestic selling price of JSR and that the difference of export price of DSM and JSR should be added to the domestic selling price M/s JSR to arrive at domestic selling price of DSM.

Examination by Authority

It has been the consistent practice of the Authority to go by the best available information with regard to any of the specific parameters. In this case, the Authority on the basis of the actual verification carried out by the investigating team after noticing that the sales of the DSM were below the cost of production has referenced the domestic selling price of other Japanese producer viz. M/s JSR as the most appropriate basis for the domestic selling price for M/s DSM. The adjustments on the domestic selling price with respect to handling charges and inland freight for M/s DSM have been on the basis of the actual verification conducted by the visiting team. The Authority, therefore, confirms the methodology followed for working out Normal value for DSM as also indicated in para 2.2 of the disclosure dt. 15.4.99.

b) Argument raised

The Authority's findings with respect to Normal value are disputed since the firm viz. M/s DSM has at no time sold its products below the cost of production and that losses were due to very high cost of operating in Japan in respect to marketing, selling and technical support provided to customers. The selling price has been lower because of recession and over-capacity in the EPDM industry in Japan.

Examination by Authority

The Authority notes that during the visit of the investigating team to the premises of M/s DSM, the firm did not provide details on the cost of production. The Company had actually incurred losses in 1996 and first half of 1997 has also been confirmed by the firm. The firm has further indicated that the operating profit has actually accrued in fiscal year 1998. The Authority on the basis of the best available information, therefore, considers it appropriate to reference domestic selling price of M/s JSR as the domestic selling price for M/s DSM with appropriate actual adjustments in respect of handling and inland freight to arrive at the normal value for M/s DSM. The Authority has disallowed the adjustments to storage expenses as only adjustments upto ex-factory level have been considered as per usual practice.

c) NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE FOR M/s JSR

The Company has considered Normal Value for M/s JSR on the basis of the weighted average sale price during the POI as verified on the premises of the exporter and has allowed adjustments on inland freight, insurance and interest on credit sales. The Authority has disallowed the adjustments to storage expenses as only adjustments upto ex-factory level have been considered as per usual practice. The adjustments in respect of level of trade in the domestic market equivalent to the commission payable in respect of export to India has been disallowed as it is only a notional adjustment and not based on actuals. Regarding export price of M/s JSR Authority has considered CIF

prices on the basis of the actual invoices raised during the POI and as verified by the investigating team. Appropriate adjustments on account of inland freight, ocean freight, commission, interest and exchange rate have been allowed.

d) **NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE FOR M/s DSM**

The Authority on the basis of the available information considers it appropriate to reference domestic selling price of JSR as the domestic selling price for M/s DSM with appropriate adjustments for handling and inland freight to arrive on the Normal Value for M/s DSM. The adjustments on account of storage are not considered as adjustments as only upto ex-factory level have been taken into account as per the consistent practice of the Authority.

As regards, export price the authority has considered CIF export price on the basis of actual invoices for the sales during the POI. The Authority has considered adjustments on export sales with regard to inland freight, handling overseas freight, overseas insurance and commission paid to the Singapore office of M/s DSM. Adjustment on account of storage costs have not been considered as the Authority has considered adjustments upto ex-factory level as per the consistent practice of the Authority.

e) The Dumping margin comes as under :-

Exporter	Normal Value	Export Price	Dumping Margin
JSR Corpn.	*****	*****	27.48%
DSM	*****	*****	25.5%

G) INJURY, CAUSAL LINK AND DETERMINATION OF DUTY

(a) **Argument raised**

The petitioners suffer input shortages and have limited storage facilities.

Examination by Authority

The Authority notes that these issues are normal business eventualities which any organisation can face. The authority is considering redressal of injury due to dumping and effects of any additional costs incurred on account of abnormal and unrelated factors have been duly considered while arriving at reasonable selling price of the domestic industry.

b) **Argument Raised**

Injury to the industry has been on account of customs duty, faulty demand projections and high interest costs.

Examination by authority

It has been the consistent practice of the Authority to determine injury to the domestic industry with respect to landed value of dumped imports. The injury is examined with reference to the period of investigation and weighted average customs duty for this period is considered. The cost elements which are not related to the product under consideration are duly taken care of while arriving at reasonable selling price for the domestic industry. The Authority, therefore, confirms the findings in the para 24 of the preliminary findings dt. 24.12.98.

c) Argument raised

Reference Price should be fixed at the CIF level and should not take into account the customs duty which is a variable parameter.

Examination by Authority

The Authority considers it appropriate to continue the practice of having the reference level inclusive of the custom duty i.e. the landed value. Any change in any of the parameters such as normal value, dumping margin, customs duty, exchange duty fluctuation etc. would lead to changed circumstances meriting a review of the findings in any case.

d) Argument raised

M/s JSR, an exporter from Japan has argued that they export EPDM to India not directly but through various trading house viz. JTC, Nichigo Shoji Co. Ltd and Mitsui & Co. The Authority should indicate the reference price for the combination of JSR-Mitsui, JSR-JTC and JSR-Nichigo Shoji Co. Ltd. The system of indicating combination rate for the producer-exporter is prevalent in USA.

Examination by Authority

It has been the consistent practice of the Authority to assess producers only and to recommend duty accordingly. So long as the importer is able to satisfy the custom Authority that the goods are produced by a specific producer whose name is indicated while indicating the amount of duties in this notification, the Custom Authorities would impose anti-dumping duty accordingly. Also, it is not feasible to determine normal value of a trader, who can export goods of any producer. Therefore, it is not feasible to levy and monitor anti-dumping duties on traders. The Authority, therefore, does not consider it appropriate to indicate reference price for the combination of the producer and trader.

e) Argument raised

Minimum floor price and variable duty in dollar terms be fixed.

Examination by Authority

The Authority considers it appropriate to fix the variable duty in Rupee terms in conformity with the currency of the fair selling price.

f) Argument raised

Reference price indicated for JSR in para J-32 of the preliminary findings is not correct.

Examination by Authority

The Authority has appropriately considered this argument and has taken note of the same while working out the reference price in the present final findings.

- g) **Landed value:** The landed value has been determined on the basis of weighted average export price of EPDM rubber from Japan, determined separately for the two exporters viz. M/s JSR and M/s DSM, after adding the weighted customs duties during the period of investigation, 1% towards landing charges and 2% handling charges.

H) FINAL FINDINGS

The Authority, after considering the foregoing, concludes that :

- a. EPDM originating in or exported from Japan has been exported to India below its normal value.
- b. the domestic industry has suffered material injury;
- c. the injury has been caused to the domestic industry by dumping of the subject goods originating in or exported from Japan.
- d. The Authority confirms the preliminary findings dt. 24.12.98 with regard to imposition of anti-dumping duty and recommends imposition of definitive anti-dumping duty on all imports of EPDM (as per details brought in the para relating to product under consideration in these findings as also in the preliminary findings) falling under chapter 40 originating in or exported from Japan., excluding Poly Butadiene Rubber (PBR) falling under sub-heading 4002.70.01.
- e. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3,3A, 8B, 9 and 9A, as the case may be of the Customs Tariff Act, 1975.
- f. It was also considered whether a duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury. Landed price of the imports for individual exporters, for the purpose, was compared with the fair selling price of the domestic industry, determined for the period of investigations. However, Authority found dumping margin to be lower than the injury margin.

Accordingly, it is proposed that anti-dumping duties be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of EPDM Rubber originating in or exported from Japan falling under chapter 40 of the Customs Tariff excluding Poly Butadiene Rubber (PBR) falling under sub-heading 4002.70.01. The anti-dumping duty shall be the difference between the amounts mentions in column 3 below and the landed value of imports per MT.

S.No.	Name of Company	Amount (Rs./pmt)
1.	M/s JSR	100644
2.	M/s DSM	104725
3.	Any Other Exporter	104725

Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings dt. 24.12.98.

An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act Supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority & Additional Secretary

14536E/99-3.

